कसिान संकट सूचकांक

प्रलिमि्स के लयि:

कसिान संकट सूचकांक, ICAR, PMFBY, PMKSY, e-NAM

मेन्स के लयि:

कसिान संकट सूचकांक

चर्चा में क्यों?

भारतीय कृषि अनुसंधान परषिद (ICAR) के तहत आने वाली संस्था **केंद्रीय शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान संस्थान** (CRIDA) भारत के लयि अपने तरह के पहले **"कसिान संकट सूचकांक"** नामक एक प्रारंभकि चेतावनी प्रणाली वकिसति कर रहा है।

कसिान संकट सूचकांक/फार्मर्स डसि्ट्रेस इंडेक्स:

- **परचिय:**
  - यह सूचकांक कृषि संबंधी संकट का अनुमान लगाने और **नमि्न स्तर से लेकर गाँव अथवा ब्लॉक स्तर तक कसिी भी प्रकार के संकट प्रसार को रोकने का प्रयास** करता है।
  - इसकी सहायता से केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, स्थानीय नकिायों और गैर-सरकारी एजेंसयिों जैसी **वभिन्नि संस्थाओं को कसिानों के आसन्न संकट के बारे में प्रारंभकि चेतावनी** प्राप्त हो सकेगी ताकि सक्रयि हस्तक्षेप कयिा जा सके और आवश्यक कदम उठाया जा सके।
- **उद्देश्य:**
  - इस सूचकांक का लक्ष्य **फसल हानि/विफिलता तथा आय की हानि** के रूप में कृषि संकट को कम करना है।
    - हाल के वर्षों में कसिानों को आघात का सामना करना पड़ा है। चरम जलवायु घटनाओं के साथ-साथ बाज़ार में उतार-चढ़ाव और फसल मूल्य में वृद्धि हुई है जसिसे अनेक बार कसिानों को आत्महत्या के लयि ववि श होना पड़ा है।
- **संकट की नगिरानी के लयि पद्धति:** इस सूचकांक के वकिास में **अनेक चरण शामलि हैं।**
  - कसिानों के संकट के उदाहरणों की पहचान करने के लयि स्थानीय समाचार पत्रों, समाचार प्लेटफॉर्मों और सोशल मीडयिा की पड़ताल की जाती है जसिमें ऋण चुकाने के मुद्दे, आत्महत्याएँ, कीट का हमला, सूखा, बाढ़ और प्रवासन शामलि हैं।
  - फरि इस जानकारी को क्षेत्र के छोटे, सीमांत और पट्टेदार कसिानों के साथ **टेलीफोनकि साक्षात्कारों द्वारा पूरण** कयिा जाता है।
  - इन साक्षात्कारों में संकट के **शुरुआती लक्षणों का पता लगाने के लयि डज़िाइन कयि गए 21 मानकीकृत प्रश्न** शामलि हैं।
  - प्रतक्रियिाओं को **सात संकेतकों के वरिुद्ध मैप कयिा** जाता है,
    - जोखमिों का खुलासा
    - ऋण
    - अनुकूली क्षमता
    - भूमि अधग्रिहण
    - सचिाई सुवधिाएँ
    - शमन रणनीतयिाँ
    - तत्काल प्रतक्रियिा
    - सामाजकि-मनोवैज्ञानकि कारक
- **सूचकांक की व्याख्या**
  - एकत्र कयि गए डेटा और प्रतक्रियिाओं के आधार पर सूचकांक संकट के स्तर को इंगति करने के लयि **0 और 1** के बीच एक मान नरि्दष्टि करेगा।
    - **0 से 0.5: कम संकट**
    - **0.5 से 0.7:** मध्यम संकट
    - **0.7 से ऊपर:** गंभीर संकट

- यदि संकट का स्तर गंभीर है, तो सूचकांक सात संकेतकों में से **किसानों के संकट में सबसे अधिक योगदान देने वाले विशिष्ट घटक की पहचान करता है।**

- **महत्त्व:**
  - विभिन्न एजेंसियाँ संकट की गंभीरता के आधार पर किसानों को **आय की हानि से बचाने के लिये हस्तक्षेप** कर सकती हैं।
  - वर्तमान के जिन समाधानों पर विचार किया जा रहा है उनमें प्रत्यक्ष धन हस्तांतरण, फसल खराब होने की स्थिति में सरकार की फसल बीमा योजना के अंतर्गत दावों को मध्यावधि में जारी करना आदि शामिल हैं।
  - उदाहरणतः **PMFBY (प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना)** के अंतर्गत बीमा दावे केवल तभी दिये जाते हैं **जब सर्वेक्षण पूरा हो जाता है**, लेकिन इस मामले में यदि सूचकांक आने वाले कुछ सप्ताह में गंभीर संकट का सुझाव देता है, तो **सरकार इस योजना के अंतर्गत अंतरिम राहत प्रदान कर सकती है।**

कृषकों के संकट को कम करने के लिये' सरकारी पहल:

- **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY)**
- **प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY)**
- **इलेक्ट्रॉनिक राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (e-NAM)**
- **मृदा स्वास्थ्य कार्ड**
- **नीम-लेपित यूरिया**
- वर्ष 2022 के **बजट में कृषि क्षेत्र को समर्थन देने के लिये विभिन्न कदम** उठाए गए।
- **रायथू बंधु योजना (तेलंगाना)**
- **आजीविका और आय संवर्द्धन के लिये कृषक सहायता (कालिया) योजना (ओडिशा)**

निष्कर्ष:

सूचकांक के कार्यान्वयन में **कृषकों की आय में उतार-चढ़ाव को कम करने और कृषक समुदाय के कल्याण में योगदान** करने की क्षमता है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/farmers-distress-index